नमीं चेतना बारै

क्र.	अंक	म्हीना	विशे सूची	
1.	1	जुलाई, 1953	बन्दना (कविता)	- दीनू भाई पन्त
			लोकगीत : चम्बा कांगड़ा बसोहली कण्डी स्योज धार	
			कवता क्यारी (कविता)	- किशन स्मैलपुरी
			बसैन्त (कविता)	- यश
			गोरी चुण्ड नेईं खोलै (कविता)	- अलमस्त
			गान्धी (कविता)	- रामनाथ शास्त्री
			इक इक दो ग्यारां जी (कविता)	- मधुकर
			कुड़में दा लाम्मा (क्हानी)	- भसगवत प्रसाद साठे
			देवका जन्म (नाटक)	- प्रशान्त
			इक प्रस्ताव नमीं चेतना हिन्दी विभाग	
			पहाड़ी कला के रूप (लेख)	- सुशीला प्रभाकर
			दो पेड़ी	- ठाकुर पुंछी
			The Place of Dogri in the languages of India:	- डॉ. सिद्धेश्वर वर्मा
			Pahari paintings	- गोवर्धन, एम.ए.